दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक



7

3 आप बसपा में शामिल हो गए हैं

5 सीएम योगी बोले- सोशल मीडिया ने प्रस्तुत किया अर्धसत्य का नया तथ्य, जो कभी सत्य नहीं होता

8 क्या 2019 और 2023 का दर्द मिटा पाएंगे कोहली

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 04, अंक: 14 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 28 सितम्बर, 2026

गोरखपुर में बादल फटने जैसे हालात

गोरखपुर जिले में चार लोगों की दुखद मौत हुई

बारिश और आंधी से पेड़ गिरने की घटनाएं हुई

कुल चौदह लोग गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती

गोरखपुर,संवाददाता। तीन दिन से जारी वर्षा का सिलसिला शनिवार की शाम को भयावह हो उठा। पौने दो घंटे अतिवृष्टि ने बादल फटने जैसे हालात दिखा दिए। गोरखपुर में गांव से लेकर शहर तक जलभराव से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया। धर्मशाला के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमर तक पानी भर गया। तेज हवा संग बारिश से फसलों को व्यापक नुकसान हुआ। सैकड़ों पेड़ भी गिर गए। इनके नीचे दबने से गोरखपुर में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, सुबह बारिश के बीच गिरे हाईटेंशन लाइन के तार की चपेट में आने से एक किशोर की जान चली गई। सड़क, रेल से लेकर उड़ानों पर मौसम की मार पड़ी। जगह–जगह पोल गिरने और तार टूटने से शुक्रवार रात से ही बिजली संकट बना हुआ है। हालात सुधरने से पहले ही शाम को हुई तेज वर्षा से स्थिति और विकट हो गई। कई उपकेंद्रों में पानी घुस गया।शाम सवा चार बजे से छह बजे तक पौने दो घंटे के भीतर 150 एमएम वर्षा से बाढ़ और बादल फटने जैसे हालात बन गए। कैंपियरगंज में एक परिवार के तीन, तो कौड़ीराम और उरुवा में एक–एक व्यक्ति की पेड़ के नीचे दबने से मौत हो गई। ऐसे हादसों में अलग–अलग जगहों पर 14 लोग घायल हुए हैं।

राहत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री

भारी वर्षा और इससे उत्पन्न बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित लोगों को तत्काल राहत व सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनहानि और पशुहानि पर तत्काल मुआवजा उपलब्ध कराएं। जिन लोगों के घर गिर गए हैं, उन्हें भी मुआवजा दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

24 जिलों में रेड अलर्ट

राजधानी लखनऊ में सितंबर की वर्षा ने सारे रिकार्ड पीछे छोड़ दिए हैं। शनिवार को यहां 200.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जो सितंबर की सर्वाधिक बारिश है। करीब 50 घंटे से बारिश हो रही है।







संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचा रहा विपक्ष

सीएम योगी बोले– चुनाव आयोग, ईवीएम को दोष देना गलत

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचा रहा है। देश में समय–समय पर एसआईआर हुआ है। चुनाव आयोग, ईवीएम को दोष देना गलत है। राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रेस वार्ता में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली हर साज़िश का हिस्सा बनते रहे हैं। सीएम ने कहा कि विपक्ष का रवैया हमेशा से ऐसा रहा है। इससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। यह हैरानी की बात है कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी और यूपीए गठबंधन से जुड़े अन्य दलों के मौजूदा काम और बयान बेहद गैर–जिम्मेदाराना हैं। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने वाले हैं।

ईवीएम को ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण

उन्होंने कहा कि पहले भी एसआईआर हुए हैं। 1952, 1962, 2003 में एसआईआर हुआ। इस बार एसआईआर को लेकर जितनी हायतौबा कांग्रेस, सपा, आरजेडी ने मचाई वो दुर्भाग्यपूर्ण है। इलेक्शन जीत जाएं तो इनका पुरुषार्थ और अगर जनता इनको खारिज कर दे तो इलेक्शन कमीशन, ईवीएम दोषी। यह कितना जायज है। राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत की न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। जिस ईवीएम से कांग्रेस की देश और कई राज्यों में सरकार बनी उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

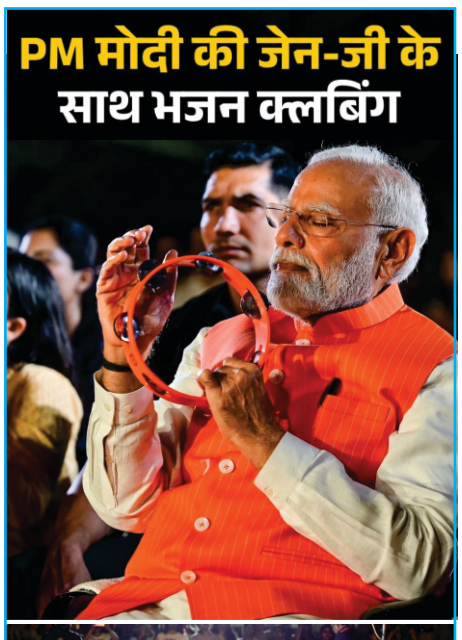


कांग्रेस के आपातकाल पर भी सीएम बरसे। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस से देश के लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। कई राज्यों में अनैतिक रूप से चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया गया। बालाकोट पर भारतीय सेना के शौर्य पर इन्होंने सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न खड़ा करना, यह कहां की देशभक्ति है।

कांग्रेस को अपनी गैर जिम्मेदार हरकतों पर कंट्रोल करना चाहिए

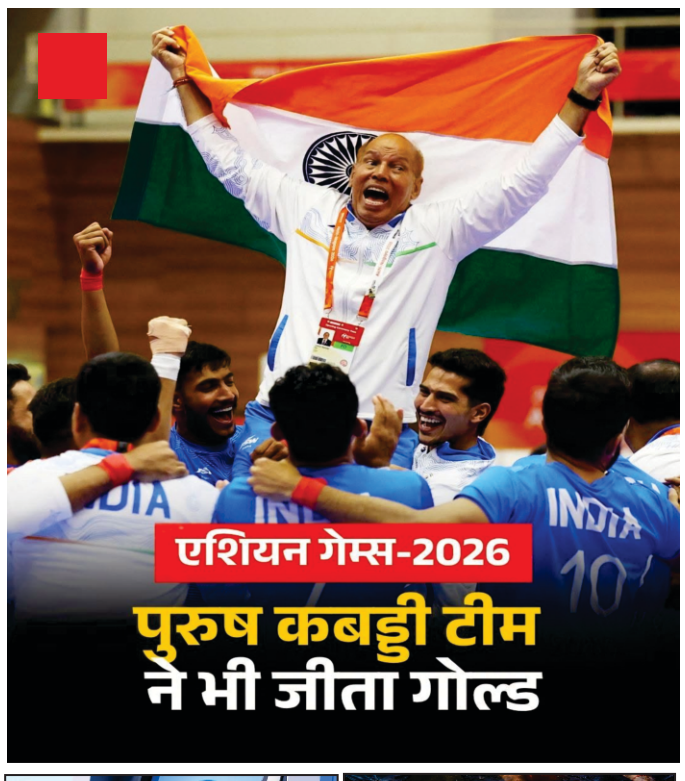
तीनों चुनाव आयुक्तों ने प्रेस के सामने आकर स्थिति स्पष्ट की। इलेक्शन कमीशन और मुख्य चुनाव आयुक्त को कटघरे में खड़ा कर दुनिया में देश की बदनामी करने वाला कृत्य हैरान करने वाला है। कांग्रेस को अपनी गैर जिम्मेदार हरकतों पर कंट्रोल करना चाहिए। लोकतंत्र में इस तरह के दुष्प्रचार के लिए जगह नहीं होनी चाहिए।

सीएम ने आगे कहा कि इलेक्शन कमीशन ने फॉर्म 6 और छूटे हुए मतदाताओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। कांग्रेस को अपने कृत्य के लिए संवैधानिक संस्थाओं और नागरिकों से माफी मांगनी चाहिए। 2019 में राफेल के मुद्दे पर भी उन्होंने कैग पर सवाल खड़े किए थे ईवीएम के कारण कांग्रेस की कई राज्यों में और केंद्र में सरकार बनी, उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

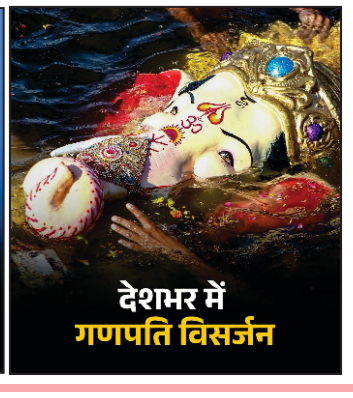












रात में निरीक्षण–बारिश के बीच डीएम मधुसूदन हुल्गी निकले बाहर

गोरखपुर,संवाददाता। लगातार मूसलाधार बारिश के बीच डीएम मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार देर रात करीब 9 बजे शहर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। कचहरी से निकलकर सुभाष चौक, हनुमान मंदिर रोड, सूरज मल्टीप्लेक्स के सामने सीसी रोड होते हुए कतरारी चौराहे तक जलभराव का जायजा लिया।

इसके बाद महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ट्रॉमा सेंटर पहुंचकर जल निकासी और मरीजों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के दृष्टिगत डीएम मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार देर रात करीब नौ बजे शहर के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव, जल निकासी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम कचहरी से निकलकर सुभाष चौक, हनुमान मंदिर रोड, सूरज मल्टीप्लेक्स के सामने स्थित सीसी रोड होते हुए कतरारी चौराहे तक पहुंचे और विभिन्न स्थानों पर जलभराव की स्थिति का मौके पर निरीक्षण किया।



इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल निकासी की व्यवस्था की जानकारी ली तथा जलभराव वाले स्थानों पर तत्काल पानी की निकासी के लिए तात्कालिक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग के विवाद पर विराम

पिछले दिनों एक अंग्रेजी दैनिक की इस खबर ने यह जो हंगामा खड़ा कर दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कई निर्णयों से दो अन्य चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने असहमति जताई थी और दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव से अपनी शिकायत भी दर्ज कराई थी, उसे चुनाव आयोग की ताजा बैठक ने शांत करने का भी काम किया और उन सवालों के जवाब भी दिए, जो उक्त खबर को लेकर उठे थे और जिनके आधार पर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ–साथ मोदी सरकार पर निशाना साधने में जुट गया था। चूंकि चुनाव आयोग की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दोनों मुख्य चुनाव आयुक्त भी शामिल हुए, इसलिए इन अफवाहों पर विराम भी लगा कि तीनों में अनबन है। इस बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति से यह साफ हुआ कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को जो चिट्ठी लिखी थी, वह आयोग की किसी नीति से संबंधित नहीं, बल्कि आयोग में डेपुटेशन पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित थी। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी स्पष्ट किया गया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे आम सहमति से लिए गए। चुनाव आयोग ने यही बात पिछले दिनों भी कही थी। उस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं था, क्योंकि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से लिए जाते हैं या फिर बहुमत से। जहां तक असहमति की बात है तो किसी भी संस्था में विचार–विमर्श के दौरान मतभेद होना स्वाभाविक हैं। इन मतभेदों को तूल देने का कोई औचित्य नहीं बनता था, लेकिन ऐसा ही किया गया। चुनाव आयोग की ताजा प्रेस विज्ञप्ति यह भी बता रही है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की ओर से कथित तौर पर फार्म–6 में बदलाव को लेकर आपत्ति जताने की बात सही नहीं थी। इसका आधार इसलिए भी नहीं बनता था, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान हुए एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि फार्म–6 में जो अतिरिक्त घोषणापत्र जोड़ा गया, वह वैध है। आखिर जिस बदलाव को सुप्रीम कोर्ट ने वैध और आवश्यक माना, उसे लेकर कोई चुनाव आयुक्त आपत्ति कैसे जता सकता था?

चुनाव आयोग का एक प्रमुख काम देश के हर योग्य मतदाता को वोट देने के लिए अधिकृत करना और अयोग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाना भी है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि मौजूदा मतदाता सूचियों में अनेक ऐसे नाम हैं, जो या तो कहीं स्थानांतरित हो चुके हैं या फिर जिनका निधन हो चुका है। इसी तरह तमाम नामों का दोहराव भी है। मतदाता सूचियों में अनेक नाम घुसपैठियों के भी हैं। यह एक तथ्य है कि पिछले दशकों में देश में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई है और घुसपैठियों ने छल–छद्म से आधार एवं अन्य दस्तावेजों के अलावा मतदाता पहचान पत्र भी हासिल कर लिए हैं। देश के सीमांत राज्यों में ऐसा अधिक हुआ है और इसका कारण यह है कि इन राज्यों के राजनीतिक दलों ने घुसपैठियों को मतदाता बनाने का काम जानबूझकर किया है, ताकि चुनावी लाभ हासिल किया जा सके। मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार यह स्पष्ट करती रही है कि वह घुसपैठियों को बाहर निकालेगी। यह तभी संभव है, जब उनकी पहचान होगी। यह ठीक है कि चुनाव आयोग का काम ऐसे लोगों की पहचान करना नहीं है और न ही सरकार ने चुनाव आयोग को यह कहा है कि वह इनकी पहचान करे, लेकिन यह देखना तो उसका दायित्व है ही कि मतदाता सूची में शामिल नाम भारतीय नागरिकों के हों। यदि यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग लोगों से आवश्यक दस्तावेज दिखाने को कहता है और इस क्रम में उन्हें नोटिस भेजता है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग को यह देखना ही चाहिए कि कोई भी ऐसा नागरिक मतदाता न बनने पाए, जो भारत का नागरिक न हो। इसके लिए चुनाव आयोग को फार्म–6 के जरिये लोगों से आवश्यक जानकारी मांगनी होगी और उनके दस्तावेजों का परीक्षण भी करना होगा, क्योंकि अनेक लोगों ने फर्जी पहचान पत्र हासिल कर रखे हैं या उन्हें गलत तरीके से बनवा लिया है।

एसआईआर की प्रक्रिया बिहार विधानसभा चुनाव से शुरू हुई थी। इसके बाद चुनाव वाले राज्यों बंगाल, केरल, तमिलनाडु में भी हुई। केरल और तमिलनाडु में इसे लेकर कोई विवाद सामने नहीं आया। यह भी उल्लेखनीय है कि इन दोनों राज्यों में क्रमशः कांग्रेस और टीवीके ने जीत हासिल की। इन राज्यों के बाद कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया हुई। शेष राज्यों में वह जारी है। एसआईआर को लेकर विवाद का कारण यह है कि पिछले लगभग दो दशकों से यह प्रक्रिया संपन्न ही नहीं की गई। इसे समय–समय पर किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इससे ही मतदाता सूचियां शुद्ध हो सकती हैं।

यह अच्छा हुआ कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने बैठक करके एसआईआर को लेकर उठे सवालों का भी जवाब दिया और यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया को लेकर जो समस्याएं आ रही हैं, उनका समाधान इस तरह किया जाएगा, जिससे लोगों को कम से कम परेशानी हो। अब यदि इसके बाद भी विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोले रखता है और वह उनके खिलाफ सड़कों पर उतरकर धरना–प्रदर्शन करता है तो उसका कोई मतलब नहीं होगा। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर वाले राज्यों में लाखों मतदाताओं के नाम अनुचित तरीके से काटे गए, तो सवाल यह है कि ये लोग अपना विरोध जताने सड़क पर क्यों नहीं आते? प्रश्न यह भी है कि विपक्ष ऐसे लोगों को सामने क्यों नहीं लाता? यह संभव है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा अभी भी खटखटाया जाए। एक याचिका तो दाखिल भी हो चुकी है। आगे जो भी हो, इसकी अनदेखी न की जाए कि इसके पहले चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जो भी दलीलें दी गईं, वे सब खारिज कर दी गईं। सुप्रीम कोर्ट ने बार–बार स्पष्ट किया है कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है।

तकनीक के मोर्चे पर छाप छोड़ता भारत

भारत भविष्य की तकनीकों, जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग, फोटोनिक्स, आप्टोइलेक्ट्रानिक्स और एआइ के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए चिप्स के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को तत्पर है।

भारत सेमीकंडक्टर निर्माण में वैश्विक केंद्र बनने को संकल्पित है
सेमीकान इंडिया पहल डिजाइनिंग, फैब्रिकेशन और पैकेजिंग पर केंद्रित है
तकनीकी आत्मनिर्भरता और हजारों उच्च–कुशल रोजगार के अवसर सृजित होंगे

इक्कीसवीं सदी के वैश्वीकृत और प्रौद्योगिकी–संचालित संसार में जिस वस्तु को आधुनिक सभ्यता का अदृश्य हृदय कहा जा सकता है, वह अति–सूक्ष्म सेमीकंडक्टर चिप है। जिस प्रकार बीसवीं सदी के वैश्विक भू–राजनीतिक एवं आर्थिक समीकरणों को कच्चे तेल की उपलब्धता और नियंत्रण ने आकार दिया था, ठीक उसी प्रकार आज की डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स वैश्विक शक्ति का नया केंद्र बन चुके हैं। स्मार्टफोन, इलेक्ट्रानिक उपकरणों से लेकर आटोमोबाइल, रक्षा प्रणालियों, एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरणों, संचार और उन्नत सुपरकंप्यूटिंग तक, आधुनिक जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र बचा हो, जो इन सूक्ष्म सिलिकान चिप्स पर निर्भर न हो। ऐसे निर्णायक दौर में भारत ने केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र बने रहने के बजाय स्वयं को सेमीकंडक्टर निर्माण के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने का जो संकल्प लिया है, उसे श्सेमीकान इंडियाश पहल के नाम से जाना जाता है।

भारत सरकार ने देश को सेमीकंडक्टर निर्माण का एक मजबूत वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रारंभिक वित्तीय परिव्यय के साथ श्राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और सेमीकान इंडिया कार्यक्रम की आधारशिला रखी है। वैश्विक सेमीकंडक्टर सम्मेलन सेमीकान इंडिया 2026 के मंच से प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने भारत के इस परिवर्तनकारी संकल्प को वैश्विक विश्वसनीयता प्रदान की। सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्रक्रिया को मुख्य रूप से तीन चरणों में विभाजित किया जाता है– डिजाइनिंग, फैब्रिकेशन और संयोजन एवं पैकेजिंग। भारत की रणनीतिक योजना इन तीनों चरणों को समानांतर रूप से मजबूत करने की है। भारत के पास पहले से ही चिप डिजाइनिंग की क्षमता मौजूद है। दुनिया की लगभग सभी प्रमुख चिप डिजाइन कंपनियों के बड़े अनुसंधान और विकास केंद्र भारत में स्थित हैं। सेमीकान इंडिया के अंतर्गत शुरू की गई श्डिजाइन–संबद्ध प्रोत्साहनश योजना का उद्देश्य घरेलू स्तर पर भारतीय स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपनी बौद्धिक संपदा विकसित करने और स्वदेशी चिप्स डिजाइन करने के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधन प्रदान करना है।

जब भारतीय इंजीनियरों द्वारा भारत में ही चिप्स डिजाइन किए जाएंगे और उनका निर्माण भी घरेलू संयंत्रों में होगा, तब वास्तविक रूप में तकनीकी स्वावलंबन का सपना साकार होगा। फैब्रिकेशन और संयोजन के स्तर पर भारत ने जिस त्वरित गति से कदम बढ़ाए हैं, वह आधुनिक औद्योगिक इतिहास में अभूतपूर्व है। असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग इकाइयां सेमीकंडक्टर मूल्य शृंखला का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन इकाइयों की स्थापना से भारत को त्वरित सफलता मिल रही है, जिससे देश में बुनियादी औद्योगिक ढांचा तैयार हो रहा है और साथ ही हजारों उच्च–कुशल रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। इसके समानांतर, उच्च–स्तरीय सिलिकान वेफर फैब्रिकेशन संयंत्रों की स्थापना से भारत उस विशिष्ट श्रेणी वाले देशों के समूह में शामिल होने जा रहा है, जिनके पास उन्नत नैनोमीटर स्तर की चिप्स बनाने की क्षमता है।

सेमीकंडक्टर उद्योग दुनिया के सबसे कठिन और अनिश्चित उद्योगों में से एक माना जाता है। आज जो तकनीक अत्याधुनिक है, वह पांच साल बाद पुरानी और अप्रासंगिक हो सकती है। ऐसे में भारत को न केवल वर्तमान तकनीकों जैसे 28 नैनोमीटर, 40 नैनोमीटर या उससे अधिक के पारंपरिक चिप्स जो आटोमोबाइल और बिजली उपकरणों में प्रयुक्त होते हैं, पर ध्यान केंद्रित करना होगा, बल्कि अगली पीढ़ी की तकनीकों जैसे दो नैनोमीटर, गैलियम नाइट्राइड, सिलिकान कार्बाइड और सिलिकान फोटोनिक्स आधारित यौगिक सेमीकंडक्टर्स में भी अनुसंधान और विकास को निरंतर गति देनी होगी। इसके लिए सतत वित्तीय निवेश, दीर्घकालिक नीतिगत निरंतरता और निजी उद्योगों के बीच अटूट तालमेल की आवश्यकता है। एक और प्रमुख चुनौती पर्यावरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी है। सेमीकंडक्टर विनिर्माण में बड़े पैमाने पर बिजली और पानी की खपत होती है। बिजली का बाधित होना या पानी में सूक्ष्म अशुद्धि का होना अरबों रुपये के सिलिकान वेफर्स को एक झटके में नष्ट कर सकता है। इसलिए भारत को अपने सेमीकंडक्टर पार्कों में निर्बाध, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और शून्य–दोष गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही, हरित ऊर्जा और जल पुनर्चक्रण की टिकाऊ तकनीकों को अपनाना होगा, ताकि यह औद्योगिक प्रगति पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले। सेमीकान इंडिया का लक्ष्य केवल पारंपरिक सिलिकान–आधारित चिप्स तक सीमित नहीं है। भारत भविष्य की तकनीकों, जैसे क्वांटम कंप्यूटिंग, फोटोनिक्स, आप्टोइलेक्ट्रानिक्स और एआइ के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए चिप्स के क्षेत्र में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को तत्पर है। जैसे–जैसे दुनिया 6जी संचार, स्वायत्त वाहनों, स्मार्ट ग्रिड्स और रोबोटिक्स की ओर बढ़ रही है, वैसे–वैसे अत्यधिक कुशल और कम बिजली खपत करने वाले चिप्स की मांग तेजी से बढ़ेगी। भारत यदि समय रहते इन उभरती तकनीकों में अपनी अग्रणी स्थिति बना लेता है तो वह अगली औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने वाले अग्रिम पंक्ति के देशों में शामिल हो जाएगा।

मोबाइल की दीवानगी कहां लेकर जाएगी

व्यापक संदर्भ में देखें, तो ऐसे मामलों में दोष केवल युवाओं का भी नहीं है। कुछ बच्चे माता–पिता पर दबाव बनाते हैं कि अगर उन्हें लेटेस्ट फोन नहीं मिला तो वे पढ़ाई नहीं करेंगे। बच्चे महंगा स्मार्टफोन यह कहकर मांगते हैं कि इससे पढ़ाई, प्रोजेक्ट और नई तकनीक सीखने में मदद मिलेगी। खासकर कम पढ़े–लिखे माता–पिता को बच्चे कई बार इन वजहों का हवाला देकर समझाने की कोशिश करते हैं। हालांकि कई मामलों में असली वजह दोस्तों के बीच फोन को प्रदर्शित करना और खुद को उनसे पीछे न दिखाना होती है। भारत में मार्केट रिसर्च फर्म 'काउंटरपॉइंट रिसर्च' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बिकने वाले कम से कम 42 प्रतिशत आईफोन ईएमआई (किस्तों) पर खरीदे जाएंगे। देश के ज्यादातर परिवारों की आय सीमित है। ऐसे में 75000 रुपए या उससे महंगे फोन की किस्तें चुकाना कई परिवारों को कर्ज में धकेल रहा है। युवा किसी भी देश का भविष्य होते हैं। देश का भविष्य बनने वाले युवा भविष्य की चिंता किए बगैर सिर्फ एक झूठी होड़ का शिकार हों तो देश का भला कैसे होगा? मौजूदा दौर में मोबाइल को लेकर जो मारामारी मची हुई है, उसे देख कर लगता है कि जैसे देश के युवाओं के सामने कोई चुनौती नहीं बची है। युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य पर मोबाइल के नए से नए ब्रांडों का आकर्षण उन्हें दलदल की तरफ धकेल रहा है।

महंगे मोबाइल ब्रांडों के जुनून से तो यही लगता है कि इस देश में बेरोजगारी और युवाओं से जुड़ी कोई समस्या बची ही नहीं है। नए से नए मोबाइल ब्रांड को पाने के लिए देश के युवा मारामारी करते रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे वे इतने जरूरी काम में जुटे हुए हैं कि यदि यह नहीं हुआ तो उनका भविष्य खराब हो जाएगा। एक अमरीकी कंपनी के नए ब्रांड को लेकर युवा रातभर लाइन में खड़े रहे और अपने नंबर का इंतजार करते रहे। दिल्ली से मुंबई तक देश के कई शहरों में इस कंपनी के स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग सुबह स्टोर खुलने की इंतजार में रात भर कतार में लगे रहे। वह भी एक ऐसे मोबाइल के लिए जिसकी कीमत भी डेढ़ से सवा तीन लाख रुपए तक की है। इनमें चंद ही ऐसे युवा होंगे जो इतने महंगे फोन से कुछ कमाई करेंगे, बाकी सभी तो सिर्फ जुनून के शिकार हैं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि लोग महंगा फोन खरीदने के लिए इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं?

बड़ा सवाल यह है कि कुछ लोगों को नया फोन, नई कार, नया गैजेट या कोई भी लेटेस्ट प्रोडक्ट सबसे पहले खरीदने की इतनी जल्दी क्यों होती है। साइकोलॉजी में इसे नयापन अर्थात अनोखा या अलग अनुभव करने की इच्छा कहते हैं। इसे आकर्षण से जोडकर देखा जाता है। इनसान को नई और अलग चीजें स्वाभाविक तौर पर दिलचस्प लगती हैं। नए प्रोडक्ट के साथ नई तकनीक, नया डिजाइन और नई पहचान जुड़ी होती है। नवीनतम फोन खरीदने की इस होड़ के पीछे फोमो यानी दूसरों से पीछे छूट जाने का डर भी हो सकता है। लोगों को लगने लगता है कि बाकी सभी लोग आगे बढ़ रहे हैं और अगर उन्होंने यह फोन नहीं लिया तो वे पीछे रह जाएंगे। यही कारण है कि कुछ लोग नया फोन आने का महीनों इंतजार करते हैं और लॉन्च होते ही उसे खरीदने के लिए घंटों लाइन में लग जाते हैं। कुछ लोग हर चीज सबसे पहले क्यों लेना चाहते हैं? हर व्यक्ति नई चीज के पीछे एक ही वजह से नहीं भागता। किसी को नई तकनीक पसंद होती है, किसी को नई चीज इस्तेमाल करने का अनुभव अच्छा लगता है, जबकि कुछ लोगों के लिए सबसे पहले नया प्रोडक्ट खरीदना उनकी पहचान और सोशल स्टेटस से जुड़ जाता है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर नया फोन दिखाकर रील बनाने और उसे प्रदर्शित करने की चाहत भी इसके आकर्षण को बढ़ा सकती है। कई युवा लेटेस्ट फोन खरीदने के लिए ईएमआई का सहारा लेते हैं। उन्हें लगता है कि अभी फोन ले लेते हैं और पैसे धीरे–धीरे चुका देंगे। सोशल मीडिया ने इस सामाजिक दबाव को और बढ़ाया है। इसका असर सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं में भी लेटेस्ट प्रोडक्ट को लेकर ऐसा क्रेज देखने को मिलता है।

सांसद जी, क्या आप बसपा में शामिल हो गए हैं

रवि किशन के सवाल पर भाजपा पार्षद ने सुनाई खरी–खरी

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर शहर में जलभराव पर भाजपा सांसद रवि किशन और भाजपा पार्षद के बीच फोन पर नोकझोंक हो गई। तरकुलानी और रामगताल इलाके से जलनिकासी को लेकर फोन पर हुई बहस का वीडियो वायरल हो रहा है। सांसद ने पार्षद से पूछा था कि क्या सपा में शामिल हो गए हैं, इस पर पार्षद ने भी सांसद पर बसपा को लेकर पलटवार किया। गोरखपुर शहर में शनिवार को हुई भारी बारिश के बाद जलभराव को लेकर भाजपा सांसद रवि किशन और भाजपा पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी के बीच फोन पर नोकझोंक का मामला सामने आया है। दोनों के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उपलब्ध रिपोर्ट में भी तरकुलानी से जलनिकासी को लेकर दोनों के बीच बातचीत और राजनीतिक तंज का उल्लेख है। वायरल वीडियो में पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी रेस्टोरेंट में बैठक के दौरान रामगताल के पाम पैराडाइज और तरकुलानी क्षेत्र से जलनिकासी को लेकर सांसद से बातचीत करते सुनाई दे रहे हैं।

''क्या आप बसपा में शामिल हो गए हैं?''

इसी दौरान बातचीत का रुख राजनीतिक तंज की ओर भी चला जाता है। सांसद रवि किशन पार्षद से पूछते सुनाई देते हैं, ''क्या आप समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं?'' इसके जवाब में पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी सांसद से पूछते सुनाई देते हैं, ''क्या आप बसपा में शामिल हो गए हैं?'' रिपोर्ट में भी इसी तरह के आदान–प्रदान का उल्लेख किया गया है। बातचीत का वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। हालांकि वायरल वीडियो के सामने आने का पूरा संदर्भ और बातचीत की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध रिपोर्ट में नहीं है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब शनिवार शाम हुई तेज बारिश के बाद महानगर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। नगर निगम की टीमों ने जलनिकासी के लिए पंप और संपवेल चलाए।

सांसद रवि किशन ने भी मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, नगर आयुक्त अजय जैन और निगम के अन्य अधिकारियों के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया और तत्काल जलनिकासी के निर्देश दिए।

डेढ़ घंटे की बारिश, महानगर में जलनिकासी व्यवस्था ध्वस्त... पानी–पानी हुआ शहर

गोरखपुर महानगर में शनिवार को पूरे दिन व शाम को तेज हवा के साथ हुई मूसलाधार बारिश ने जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। नगर निगम के अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सिस्टम के ऑटोमेटिक रेन गेज ने डेढ़ घंटे में 150 एमएम बारिश दर्ज की। इतनी तेज बारिश के बाद महानगर के लगभग सभी वार्डों की सड़कें और बाजार जलमग्न हो गए। कई जगह बारिश और नालियों का गंदा पानी घरों व दुकानों में घुस गया।

प्रमुख सड़कें, बाजार, अंडरपास, सरकारी कार्यालय और रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। जिला अस्पताल की ओपीडी और डॉक्टरों के चेंबर तक पानी पहुंच गया। नगर निगम परिसर और मुख्य गेट भी जलभराव से नहीं बच सके। बारिश तेज होते ही नगर निगम ने सभी पंपिंग स्टेशनों को चालू करा दिया। जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकालने के लिए पंप लगातार चलाए गए। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पंप और संसाधन भी लगाए गए।

नगर आयुक्त अजय जैन के साथ नगर निगम की टीमें भी प्रभावित क्षेत्रों में उतर गईं। वहीं राप्तीनगर में भी घरों में पानी घुस गया। यहां के निवासी प्रमोद सिंह ने बताया कि बारिश इतनी तेज थी कि सड़क का पानी घरों में घुस गया। वहीं, माया बाजार में दुकानों में पानी घुस गया। इसके साथ ही सराफा मंडी घंटाघर के कई व्यापारियों की दुकानों में बारिश का पानी घुस गया। पानी तेज होने से बंधु सिंह कॉम्प्लेक्स में भी रिसाव शुरू हो गया। सराफा मंडल के अध्यक्ष गणेश वर्मा ने बताया कि बारिश से व्यापारियों का नुकसान हुआ है। दूसरी ओर बक्शीपुर उपकेंद्र और महेवा मंडी के मंडी सचिव कार्यालय में पानी भर गया।

जिला अस्पताल की ओपीडी तक पहुंचा पानी

जिला अस्पताल में बारिश और उफनाए नालों का पानी ओपीडी और डॉक्टरों के चेंबर तक पहुंच गया। महिला अस्पताल, जिला अस्पताल रोड और आसपास के क्षेत्रों में भी घंटों जलभराव रहा। मरीजों और तीमारदारों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। नगर निगम परिसर के मुख्य गेट और आकाशवाणी परिसर में भी पानी भर गया। कान्हा उपवन में जलभराव के कारण निराश्रित गोवंश भी परेशान हुए।

घरों में घुसा नालियों का गंदा पानी

रुस्तमपुर के पुराने मोहल्ले की दुर्गा मंदिर गली में करीब एक फुट पानी भर गया। विवेकानंदपुरी, दाऊदपुर, लोकनायक गली और चंद्रशेखर आजाद चौक वार्ड के बुद्ध विहार में लोगों के घरों तक पानी पहुंच गया। सूर्यकुंड रोड, रेती रोड, इलाहीबाग रोड, विरासत गलियारा, जुबिली रोड, धर्मशाला के निकट होटल रोड, विजय चौक, गोरखनाथ फ्लाईओवर के नीचे, धर्मशाला अंडरपास, सिविल लाइंस स्कूल रोड, स्कूल गली, दक्षिणी हुमायूंपुर और गोलघर पार्क रोड पर घंटों जलभराव रहा। सड़क और नाली का अंतर ही खत्म हो गया। कई जगह दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में बंद हो गए। लोगों को घुटनों तक पानी में होकर आवागमन करना पड़ा।

सड़कें बनीं तालाब, निगम परिसर भी डूबा

महानगर को जलभराव से बचाने की जिम्मेदारी संभालने वाले नगर निगम के परिसर और मुख्य गेट पर ही पानी भर गया। गोलघर मुख्य मार्ग, भरवलिया, तारामंडल, बेहरामपुर–इलाहीबाग, तिवारीपुर थाना रोड, चकसा हुसैन–पचपेड़वा, शिवाजी नगर, महुई–सुघरपुर, फुलवरिया, रामजानकी नगर हॉटस्पॉट, शक्तिनगर, बशारतपुर, प्रोफेसर कॉलोनी–बशारतपुर वेस्ट, साहेबगंज खोंखर टोला और रहमत नगर में भी काफी जलभराव हुआ। धर्मशाला बाजार, राजेंद्र प्रसाद नगर, बरगदवा, जाफरा बाजार, बड़े काजीपुर और लच्छीपुर में भगवती चौराहा, बेतियाहाता में पंचवटी अपार्टमेंट–दाऊदपुर, विश्वकर्मापुरम–बौलिया में असुरन पुलिस चौकी और भरवलिया में भगत चौराहा–तारामंडल रोड पर पानी भर गया। गोपलापुर गांव की सड़क पर भी करीब एक फुट पानी रहा। अधिकांश बड़े नाले और नालियां ओवरफ्लो होने से गंदा पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया।

करीब 3,000 से ज्यादा परिवारों को हुई परेशानी

लालडिग्गी, हाल्सीगंज, घंटाघर, रायगंज, अलहदादपुर, बिलंदपुर, कालेपुर, न्यू बिलंदपुर और बासगांव कॉलोनी समेत कई इलाकों में जलभराव रहा। डीआईजी बंगला, पोस्ट ऑफिस गली, बीडीओ साहब की गली, पवन यादव गली, शिव मंदिर कालेपुर, छठ पोखरा क्षेत्र और जल निगम कार्यालय के पीछे की बस्तियों के घरों में भी पानी घुस गया। ए–वन अस्पताल और पारिजात नर्सरी के पास नाले की सफाई अधूरी होने से स्थिति और खराब हुई। इन क्षेत्रों में करीब 3000 परिवार जलभराव से जूझे।

इंदिरा नगर पुलिया के अवरोध हटाने की मांग

वार्ड संख्या 72 सिविल लाइंस के पार्षद देवेंद्र कुमार गौड़ पिंटू ने नगर आयुक्त से इंदिरा नगर पुलिया और पैडलेगंज बुद्धद्वार स्थित सीवरेज पंपिंग स्टेशन के पास नाले पर बने अवरोधों को तत्काल हटाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिया को संकरा किए जाने और नाले पर बीम–स्लैब बनाए जाने से जलनिकासी बाधित हो रही है।

महेवा मंडी में दुकानों में भरा पानी

लगातार बारिश के बाद प्रमुख कारोबारी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति देखने नगर आयुक्त अजय जैन चौंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंघानिया के साथ महेवा गल्ला मंडी पहुंचे। यहां कई दुकानों में बारिश का पानी भर गया। इससे गल्ला कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ा। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को अतिरिक्त पंपिंग सेट तत्काल भेजने के निर्देश दिए। व्यापारियों ने बाजारों में स्थायी जलनिकासी व्यवस्था, पर्याप्त पंपिंग सेट और बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की। वहीं व्यापारी विजय कुमार सोनकर व पवन सिंहानियां ने बताया कि यहां पर व्यापारियों का करीब 50 लाख से ज्यादा के माल का नुकसान हुआ है।

साहबगंज की दुकानों में भी घुसा पानी

साहबगंज में भी कई दुकानों में बारिश का पानी घुस गया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण पानी निकासी के लिए लगे पंप भी प्रभावित हुए। कुमार ट्रेडिंग कंपनी, निरंजन मद्धेशिया समेत कई दुकानों में पानी घुसने की जानकारी सामने आई। व्यापारियों के मुताबिक दुकानों में रखे सामान को कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन अभी नहीं हो सका है। चौंबर ऑफ ट्रेडर्स के अध्यक्ष अनूप किशोर अग्रवाल ने कहा कि मौसम की गंभीर स्थिति की जानकारी पहले से थी। ऐसे में जलनिकासी वाले स्थानों पर पहले से जनरेटर और पंप की व्यवस्था होनी चाहिए थी।

राप्ती काम्प्लेक्स की दुकानों में भरा पानी

असुरन–गीता वाटिका रोड स्थित पिपराइच रोड पर राप्ती काम्प्लेक्स की निचली मंजिल की करीब 15 दुकानों में एक फुट तक पानी भर गया। कपड़ा, रेडीमेड, जूता–चप्पल, सौंदर्य प्रसाधन, हैंडलूम और होजरी कारोबारियों के लाखों रुपये के सामान के खराब होने की बात सामने आई है। पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष मणिनाथ गुप्ता ने बताया कि जलभराव से दुकानदारों को काफी क्षति हुई है।

नगर आयुक्त ने पंपिंग स्टेशनों का किया निरीक्षण

मूसलाधार बारिश के बीच नगर आयुक्त अजय जैन ने धर्मशाला बाजार से विरासत गलियारा होते हुए डोमिनगढ़ पंपिंग स्टेशन, इलाहीबाग पंपिंग स्टेशन, लालडिग्गी पंपिंग स्टेशन और ट्रांसपोर्ट नगर का निरीक्षण किया। इसके बाद नवीन फल मंडी स्थित गल्ला मंडी में जलभराव की स्थिति देखी। उन्होंने जलभराव वाले स्थानों से तत्काल पानी निकालने के लिए आपात पंप लगाने के निर्देश दिए। सभी पंपिंग स्टेशनों को लगातार संचालित रखने की हिदायत दी। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त पंप व संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। नगर निगम की टीमें देर तक जलनिकासी में जुटी रहीं।



गोरखपुर में लारेंस बिश्नोई गैंग का असलहा नेटवर्क एक और गुर्गा पिस्टल के साथ धराया– कुल 6 आरोपी जेल में

गोरखपुर,संवाददाता। लारेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े असलहा तस्करी मामले में कैंट पुलिस ने शनिवार सुबह एक और गुर्गे करन सोनकर को गिरफ्तार किया। कोरी टोला धर्मशाला बाजार निवासी करन से .32 बोर की अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुई। उसने पूछताछ में बताया कि पिस्टल श्रेयांश यादव से 25 हजार में खरीदी थी। लारेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े असलहा तस्करी के मामले में कैंट पुलिस ने शनिवार सुबह एक और गुर्गे करन सोनकर को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से .32 बोर की एक अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में करन ने बताया कि उसने पिस्टल श्रेयांश यादव से 25 हजार रुपये में खरीदी थी। करन गोरखनाथ क्षेत्र के कोरी टोला, धर्मशाला बाजार का रहने वाला है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि पूछताछ के आधार पर असलहा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। 14 सितंबर को एसटीएफ ने कैंट क्षेत्र



गिरफ्तार आरोपी करन सोनर और कोर्ट में हाजिर होने वाले प्रमोद और राजू – फोटो – स्त्रोत– सोशल मीडिया

स्थित विंध्यवासिनी पार्क के पास श्रेयांश यादव उर्फ बबलू समेत पांच असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया था। श्रेयांश के लारेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गिरोह से जुड़े होने की बात सामने आई थी। आरोपियों के कब्जे से चार पिस्टल, चार मैगजीन, एक .32 बोर रिवॉल्वर और कारतूस बरामद हुए थे। पूछताछ में असलहा तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क की जानकारी सामने आने के बाद एसटीएफ के निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने 31 आरोपियों के खिलाफ कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसके बाद से एसटीएफ के साथ कैंट पुलिस ने भी आरोपियों की तलाश में दबिश देनी शुरू कर दी थी।

दो आरोपियों का कोर्ट में समर्पण

मामले में नामजद बांसगांव के उनौला खास निवासी प्रमोद यादव और खोराबार के मिर्जापुर निवासी राजू यादव ने 24 सितंबर को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों फिलहाल जिला कारागार में हैं। विवेचक सोमवार को जेल जाकर दोनों के बयान दर्ज करेंगे। इसके बाद न्यायालय से रिमांड लेकर उनकी निशानदेही पर पिस्टल बरामद करने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि दोनों ने असलहा किससे और कितनी रकम में खरीदा था। साथ ही तस्करी के नेटवर्क में उनकी भूमिका और उनसे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जाएगी।

गोरखपुर में लाखों खर्च कर बनाया डिवाइडर

जलभराव पर 16 जगह तोड़कर निकाला पानी

बारिश से गोरखपुर फ्लाईओवर डिवाइडर के नीचे जलभराव



संवाददाता, गोरखपुर। देवरिया बाइपास तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर तक यातायात सुचारु करने के लिए बनाए गए सिक्सलेन फ्लाइओवर के नीचे लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए डिवाइडर की खामियां तीन दिन की बारिश में सामने आ गईं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से फ्लाइओवर से गिरने वाला पानी डिवाइडर के बीच जमा हो गया। पानी निकालने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को डिवाइडर को 16 स्थानों पर तोड़ना पड़ा। इससे सड़क पर मलबा और कचरा फैल गया है। कट वाले स्थानों पर पीचिंग नहीं होने से कीचड़ और दलदल की स्थिति बन गई है, जिससे बाइक सवारों को परेशानी हो रही है। देवरिया बाइपास तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर तक लगने वाले जाम को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने सिक्सलेन फ्लाइओवर का निर्माण कराया। 2.6 किलोमीटर लंबे फ्लाइओवर के निर्माण पर करीब 429.49 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसके निर्माण का उद्देश्य बाहर जाने वाले वाहनों को फ्लाइओवर से निकालना और नीचे के मार्ग पर यातायात को सुचारु करना था।फ्लाइओवर के लोकार्पण के बाद पीडब्ल्यूडी ने देवरिया बाइपास मार्ग से ट्रांसपोर्ट नगर तक घनी आबादी वाले पूरे मार्ग पर डिवाइडर लगा दिया। इससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि फ्लाइओवर से यातायात सुगम होने की उम्मीद थी, लेकिन डिवाइडर के कारण स्थानीय आवागमन में दिक्कत बढ़ गई है।

सीनीय लोगों अजीत तिवारी, भानू प्रताप सिंह, पूनीत धर दुबे, दिपक जायसवाल समेत अन्य लोगों ने कहा पहले मार्ग पर जाम की समस्या थी, लेकिन सड़क के दोनों ओर से सवारी आसानी से मिल जाती थी। अब दूसरी लेन में पहुंचने के लिए करीब 800 मीटर पैदल चलना पड़ रहा है। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और स्थानीय दुकानदारों को अधिक परेशानी होती है। बारिश ने डिवाइडर निर्माण में जल निकासी की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि निर्माण के समय पानी की निकासी और स्थानीय यातायात की सुविधा का पर्याप्त ध्यान रखा जाता तो डिवाइडर तोड़कर पानी निकालने की नौबत नहीं आती। अब जगह–जगह तोड़े गए हिस्सों से निकलने वाले पानी के साथ सड़क पर मलबा फैल गया है। लोगों ने मार्ग की स्थिति सुधारने और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है।

गोरखपुर में आंधी से 80 साल पुराना पेड़ मकान पर गिरा

तेज आंधी के कारण मकान पर हुआ यह हादसा हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए

संवाददाता, गोरखपुर। धर्मशाला के जटेपुर दक्षिणी काली मंदिर गली में शनिवार को तेज आंधी के बीच करीब 80 साल पुराना पाकड़ का पेड़ अचानक एक मकान पर भरभराकर गिर गया। हादसे के समय घर के अंदर करीब 12 लोग मौजूद थे। पेड़ की भारी डालियों और मकान के मलबे की चपेट में आने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बिजली के तीन से चार खंभे भी टूट गए और तार सड़क की ओर लटक गए।

जटेपुर दक्षिणी की काली मंदिर गली में शनिवार की दोपहर तेज हवा चल रही थी। इसी दौरान 80 साल पुराने पाकड़ के पेड़ में जोरदार हलचल हुई और देखते ही देखते वह मकान पर जा गिरा। घर में मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पेड़ की शाखाएं और मकान का मलबा गिरने से घर का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय पड़ोस में रहने वाले असलम अपनी रसोई में थे। उन्होंने बताया कि अचानक थरथराहट जैसी तेज आवाज सुनाई दी। बाहर झांका तो नीचे पेड़ गिरा हुआ दिखाई दिया। वह तत्काल नीचे पहुंचे और आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद स्थानीय लोग राहत–बचाव में जुट गए। पेड़ और मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।हादसे में सुरेश, सुभाष, मुन्नी और चुन्नी गंभीर रूप से घायल हुए। सदर अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। परिवार के कई अन्य सदस्य भी हादसे के समय मकान में मौजूद थे। घर में चुन्नी, सुभाष के अलावा सुरेश पासवान, अनुज पासवान, इंद्रजीत पासवान, कुमकुम पासवान, काजल पासवान, चंदन, विजय, कुसुम देवी, राम पलट पासवान और रवि पासवान समेत कई लोग थे। पेड़ का एक हिस्सा मकान के साथ लगे बिजली के पोल पर भी गिरा। इससे तीन से चार बिजली के खंभे टूट गए। बिजली के तार जमीन की ओर लटकने लगे, जिससे राहत–बचाव में करंट का खतरा पैदा हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पार्षद बबलू गुप्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन कर तत्काल आपूर्ति बंद कराई। इसके बाद लोगों ने मलबा हटाने और घायलों को बाहर निकालने का काम किया। हादसे में मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ घर में रखा सामान भी मलबे के नीचे दब गया। परिवार के सदस्य अनुज ने बताया कि वह कपड़े का कारोबार करते हैं। उन्होंने कारोबार के लिए जो सामान खरीदकर रखा था, वह भी पेड़ और मकान के मलबे में दब गया। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। अनुज के अनुसार, मकान में रहने वाले तीन–चार परिवार सब्जी का कारोबार करते हैं। अचानक पेड़ गिरने से इन परिवारों का घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

मुरादाबाद और रामपुर में बारिश बनी काल

बिजली के खंभे से चिपका युवक संविदा कर्मी की भी करंट से मौत

संवाददाता, मुरादाबाद। तड़के से हो रही बारिश के बीच शनिवार दोपहर बंगला गांव सब्जी मंडी में बिजली के खंभे में करंट उतरने से युवक की मौत हो गई। युवक खंभे से चिपक गया और करंट लगने से मौके पर ही उसकी हालत गंभीर हो गई। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचाया, जहां इमरजेंसी मेडिकल आफिसर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अशोक के रूप में हुई है। वह बंगला गांव सब्जी मंडी का रहने वाला था और पांच भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता श्यामी हलवाई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। सुबह से बारिश होने के कारण बिजली के खंभे और आसपास का क्षेत्र पानी से भीगा हुआ था। इसी दौरान युवक बिजली के खंभे के संपर्क में आया और करंट की चपेट में आ गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

संविदा विद्युत कर्मी की लाइन ठीक करते समय करंट लगने से मौत

रामपुर। संविदा विद्युत कर्मी की लाइन ठीक करते समय करंट लगने से मौत हो गई। मुहल्ला भब्बलपुरी निवासी संविदा कर्मी मंसूर उर्फ वाली शनिवार सुबह 11 बजे विद्युत उपकेंद्र से शटडाउन लेकर लाइन ठीक कर रहा था। सुबह से ही बारिश भी लगातार हो रही है। इसी बीच वह करंट लगने से झुलस गया। परिवार वाले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोरखपुर में आंधी–बारिश से ब्लैक आउट, जनजीवन अस्त–व्यस्त





गोरखपुर,संवाददाता। वर्षा के बीच पूरे जिले में ब्लैक आउट हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बाद भी बिजली के दर्शन नहीं हुए। महानगर से लगायत ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं 33 हजार वोल्ट की लाइन पर पेड़ गिरे तो कहीं तेज हवा से ट्रांसफार्मर समेत पोल गिर गए। एक जगह आपूर्ति सामान्य करने की कोशिश की जा रही थी तो दूसरी जगह गड़बड़ी हो जा रही थी।शाम होते ही रुस्तमपुर, सूरजकुंड, शाहपुर, राप्तीनगर ओल्ड समेत ग्रामीण क्षेत्र के कई उपकेंद्रों में पानी घुस जाने के कारण स्थिति और खराब हो गई। रुस्तमपुर उपकेंद्र में पानी भरने और टाउनहाल उपकेंद्र क्षेत्र के कई टेललेस यूनिट पानी में डूब जाने के कारण बेतियाहाता क्षेत्र अंधेरे में रहा। कमिश्नर आवास पर भी बिजली कटी रही। खुद अधीक्षण अभियंता शहर के कार्यालय में पानी घुस गया। इस कारण उन्हें बाहर निकलना पड़ा। बक्शीपुर उपकेंद्र में भी पानी घुस गया है। समाचार लिखे जाने तक कुछ ही इलाकों में आपूर्ति सामान्य हो सकी थी। लोग अंधेरे में पानी और मोबाइल स्विच आफ होने से परेशान रहे। नौवावारी पलिपा उपकेंद्र की बिजली शुक्रवार रात तकरीबन 12 बजे कट गई। शनिवार देर रात तक आपूर्ति नहीं बहाल होसकी। कई जगह पेड़ और डाल तार पर गिरे हुए हैं। फर्टिलाइजर से भटहट उपकेंद्र को जाने वाली 33 हजार वोल्ट की लाइन में गड़बड़ी के कारण 24 घंटे से तीन सौ गांवों में बिजली नहीं है। अवर अभियंता रामनयन यादव ने बताया कि वर्षा के कारण गड़बड़ी नहीं दूर हो पा रही है। कैंपियरगंज उपकेंद्र से जुड़े सैकड़ों गांवों में गुरुवार रात तकरीबन 10 बजे बिजली गुल हुई। शुक्रवार शाम चार बजे आपूर्ति बहाल हुई, लेकिन रात नौ बजे फिर बिजली चली गई। शनिवार रात तक आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। सोनौरा उपकेंद्र से जुड़े दर्जनों गांवों में भी गुरुवार रात बिजली कटने के बाद शुक्रवार को करीब एक घंटे आपूर्ति आई, फिर बाधित हो गई और शनिवार शाम तक बहाल नहीं हो सकी। आनंदनगर से जंगल के रास्ते कैंपियरगंज उपकेंद्र आने वाली लाइन पर पेड़ गिरने से भी आपूर्ति प्रभावित हुई। मुसावर में कैलाशी पांडे स्कूल के पास एलटी तार, पंडितपुर फीडर के तिवारीपुर के पास 11 हजार वोल्ट लाइन पर पेड़ गिरा। बरईपार में ट्यूबवेल का ट्रांसफॉर्मर गिरने के साथ तार पर पेड़ गिर गया। कैंपियरगंज टाउन, ग्रामीण, सोनौरा और मछलीगांव उपकेंद्रों से जुड़े क्षेत्रों में आपूर्ति बाधित है। बरईपार में ट्रांसफार्मर नीचे गिर गया, जबकि डुमरिया में पोल उखड़कर गिर गए।

सहजनवा तहसील में शुक्रवार रात 12 से बिजली बंद है। तकरीबन सवा दो सौ बिजली के पोल गिरे हैं। आंधी–पानी से चौरी चौरा क्षेत्र में 20 घंटे से भी ज्यादा समय से बिजली नहीं है। शनिवार की दोपहर एक बजे बिजली आई फिर चली गई। मुंडेरा बाजार, सरदार नगर, चौरी चौरा क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट की लाइन, एलटी लाइन के 23 पोल व 33 केवीए लाइन दो पोल टूट गए हैं। अवर अभियंता चौरी चौरा मनोज गुप्ता ने बताया कि कंट्रोल रूम में पानी घुसने से बिजली काटनी पड़ी। एफसीआई से पिपराइच उपकेंद्र को आने वाली 33 हजार वोल्ट की लाइन में तकनीकी खराबी, इंसुलेटर पंक्चर होने और पेड़ की डाल गिरने से शनिवार दोपहर से देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

कौड़ीराम के जेई अजय कुमार कन्नौजिया, गजपुर के जेई जवाहरलाल ने बताया कि एचटी और एलटी लाइन के 37 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें कौड़ीराम फीडर पर तीन, बेदौली में चार, विशुनपुर में पांच, गजपुर में सात, जानीपुर में 12 तथा पकड़ी फीडर पर छह पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। अलग–अलग क्षमता के 13 ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। नेवादा फीडर के मिश्रौली गांव में हाईटेंशन लाइन पर करीब आधा दर्जन सागौन के पेड़ टूटकर गिर गए। इससे पोल और तार क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर गिर गए। आंधी व वर्षा से खजनी, बेलघाट, उरुवा, उनवल, सिकरीगंज, महादेवा, धुरियापार, कुई बाजार आदि गांवों में दो दिन से बिजली नहीं है। खजनी तहसील क्षेत्र में 113 पोल टूटे हैं।

बेलघाट क्षेत्र के बहादुरपुर अंडरपास, धुरियाडीह, मकरहा, ब्रह्मदे वा ,रामपुर समेत कई गांवों में बिजली ठप हो गई है। पीपीगंज में नगर फीडर, बढ़या फीडर व रायपुर फीडर बंद होने से बिजली का संकट खड़ा हो गया। इससे पीपीगंज नगर, हरपुर, तिघरा, बगहीभारी मखनहा, जरहद, नयनसर, जंगल विहुली, जंगल अगही, गदहीखाल, बनकटा, कोल्हुआ, बरहटा, भरोहिया, कैथवलिया, नीबा, बैरघटा, जसवल बाजार समेत दर्जनों गांवों में आपूर्ति ठप हो गई है। अवर अभियंता पप्पू कुमार ने कहा कि वर्षा के कारण दिक्कत हो रही है। बडहलगंज में शनिवार को पूरे दिन बिजली का संकट रहा। इस कारण व्यापार पर भी असर पड़ा।

सरैया चौराहे पर पोल गिरने से बाइक सवार युवक घायल

चौरी चौरा थाना क्षेत्र के सरैया चौराहे के पास तेज आंधी में शनिवार दोपहर 2:30 बजे 33 हजार वोल्ट की लाइन का पोल बाइक सवार युवक पर गिर गया। हादसे में आमकोल गांव निवासी 25 वर्षीय आलोक ओझा के सिर में गंभीर चोट आई है। बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। लोगों का कहना है कि जर्जर पोल बदलने के लिए कई बार सूचना दी गई थी लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया।

सीएम योगी बोले- सोशल मीडिया ने प्रस्तुत किया अर्धसत्य का नया तथ्य, जो कभी सत्य नहीं होता

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया ने सत्य और असत्य के बीच अर्धसत्य का एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, जो कभी सत्य नहीं होता। ऐसी स्थितियों में दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है। सीएम योगी बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी की 57वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी की 12वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य जीवन में व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता है कि सत्य क्या है और असत्य क्या है। आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने सत्य और असत्य के बीच एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, अर्धसत्य का, जो कभी सत्य नहीं होता। ऐसी स्थितियों में पूरी दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है, उसके सामने चुनौती है।

सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भले ही कितना ही आगे बढ़ चुका हो, लेकिन जीवन में स्थायी शांति के लिए विश्व की मानवता केवल भारत भूमि को ही देखती है।

भारत भूमि पर पावन कथाओं की परंपरा कठिन चुनौतियों में व्यक्ति का मार्ग सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन करती है। पवित्र कथाओं के वाचन



और श्रवण की परंपरा, हजारों वर्षों की विरासत को समझने का भी अवसर होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब आचरण और विचार के बीच साम्यता प्रभावकारी होती है।

व्यक्ति जब मनसा, वाचा, कर्मणा से एक दिशा में चलता है तो उसे सफलता प्राप्त होती है। मन, वचन और कर्म में एकरूपता न रहने पर भ्रम की स्थिति पैदा होती है। क्या करना है और क्या नहीं करना है, इसे लेकर भ्रम पैदा होने पर 'न घर का, न घाट का' वाली स्थिति बन जाती है। श्रीमद्भागवत की कथा मनुष्य के इसी भ्रम को दूर करती है।

भक्ति, ज्ञान और निष्काम कर्म की प्रेरणा देती है श्रीमद्भागवत कथा

कथा व्यास मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास जी महाराज का गोरक्षपीठ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के वाचन और श्रवण की परंपरा 5000 वर्ष पुरानी है। भारत का श्रद्धालु इस कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति व निष्काम कर्म की प्रेरणा प्राप्त करता है। जीवन के उद्देश्य व रहस्यों को समझने के लिए यह कथा अत्यंत महत्वपूर्ण है। 5000 वर्ष पहले शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को इस कथा का श्रवण कराया, तबसे एक लंबा कालखंड बीत गया। सनातन संस्कृति ने सम–विषम परिस्थितियों सहित तमाम चुनौतियों का सामना किया। उत्थान–पतन की कहानियों के बीच भी यह कथा हम सबकी स्मृतियों में बची रही। यह कथा जीवन की वास्तविकता का एहसास करते हुए अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जाएगी। इसका विराम 29 सितंबर को होगा।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निकली श्रीमद्भागवत महापुराण की शोभायात्रा

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में मुख्य मंदिर से कथा स्थल (दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार) तक शंख ध्वनि की गूंज तथा वेदपाठी विद्यार्थियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापुराण की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के कथा स्थल पहुंचने पर अखंड ज्योति स्थापित की गई।

सोना–आभूषण सब ले जाओ, मंदिर मत तोड़ो

गजनवी ने क्यों ठुकराई थी पुजारियों की पेशकश? सीएम योगी ने बताया

गजनबी ने कहा था कि मैं केवल लूटने के लिए नहीं आया हूं। जो भी मिलेगा, उसे तो मैं ले ही जाऊंगा, लेकिन मेरा मुख्य उद्देश्य भारत की सनातन परंपरा को नष्ट करना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 11वीं सदी में भारत पर आक्रमण करने वाले महमूद गजनबी का असली मकसद केवल संपत्ति लूटना नहीं था, बल्कि देश की सनातन परंपरा को नष्ट करना था।

सोमनाथ मंदिर का प्रसंग

सीएम योगी ने इतिहास का हवाला देते हुए बताया कि जब महमूद गजनबी सोमनाथ मंदिर को गिराने गया था, तब वहां के पुजारियों ने उसे मंदिर और मूर्ति को नुकसान न पहुंचाने की विनती की थी। पुजारियों ने उसकी मांग के अनुसार उसे ढेरों सोना और आभूषण देने की पेशकश भी की थी।

गजनबी का असली इरादा

पुजारियों की इस पेशकश के जवाब में गजनबी ने कहा था कि मैं केवल लूटने के लिए नहीं आया हूं। जो भी मिलेगा, उसे तो मैं ले ही जाऊंगा, लेकिन मेरा मुख्य उद्देश्य भारत की सनातन परंपरा को नष्ट करना है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा और संस्कृति को कमजोर करने के लिए अतीत में कई बाहरी आक्रमण हुए, लेकिन भारत की संस्कृति हमेशा जीवंत रही है और हमें अपनी इस महान विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

जमीन खरीदने से पहले मोबाइल पर चेक करें पुरानी रजिस्ट्री

IGRSUP पोर्टल पर संपत्ति खोज, भार मुक्ति सुविधा उपलब्ध पुरानी रजिस्ट्री, बैंक बंधक, निषिद्ध संपत्ति की जांच करें मोबाइल से घर बैठे करें जमीन की शुरुआती पड़ताल

गोरखपुर,संवाददाता। जमीन खरीदने जा रहे हैं तो सिर्फ खतौनी और कोर्ट केस की जांच तक सीमित न रहें। कहीं जमीन पहले ही किसी दूसरे व्यक्ति को बेची तो नहीं जा चुकी है? उस पर बैंक का कर्ज तो नहीं है? या फिर वह किसी सरकारी प्रतिबंध के दायरे में तो नहीं आती? ऐसे सवालों की पड़ताल किए बिना जमीन का सौदा करना मुश्किल में डाल सकता है। राहत की बात यह है कि उत्तर प्रदेश में स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के पोर्टल पर संपत्ति खोज, भार मुक्ति प्रमाणपत्र और निषिद्ध संपत्ति से जुड़ी जानकारी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। खरीदार घर बैठे मोबाइल से उपलब्ध रिकॉर्ड की शुरुआती जांच कर सकते हैं। संबंधित संपत्ति की उपलब्ध जानकारी के आधार पर खोज करें। इसमें नाम, पंजीकरण संख्या या खसरा आदि के आधार पर संपत्ति का रिकॉर्ड तलाशने की सुविधा दी गई है।

उपलब्ध रिकॉर्ड में संपत्ति से जुड़े पंजीकृत दस्तावेजों का विवरण देखें। विक्रेता से मिले पुराने बैनामे और ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी का मिलान करें। यदि पहले की रजिस्ट्री या किसी अन्य दस्तावेज को लेकर संदेह हो तो उसकी प्रमाणित प्रति के लिए भी आवेदन किया जा सकता है।

जमीन पर बैंक का कर्ज तो नहीं

कई बार जमीन पर बैंक या वित्तीय संस्था का बंधक हो सकता है। ऐसे में केवल विक्रेता के दावे पर भरोसा



करने के बजाय भार मुक्ति प्रमाणपत्र से संबंधित सुविधा की जानकारी लें। आईजीआरएसयूपी पर इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था दी गई है। प्रमाणपत्र और उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच कर यह पड़ताल की जा सकती है कि संबंधित संपत्ति पर दर्ज भार के संबंध में क्या जानकारी उपलब्ध है।

प्रतिबंधित संपत्ति की भी करें पड़ताल

स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के पोर्टल पर निषिद्ध संपत्ति की खोज का विकल्प भी उपलब्ध है। जमीन खरीदने से पहले संबंधित संपत्ति की पहचान और उपलब्ध विवरण का मिलान इस रिकॉर्ड से करना चाहिए। इससे प्रतिबंधित संपत्ति से जुड़े जोखिम की शुरुआती पड़ताल में मदद मिल सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन रिकॉर्ड में जानकारी न मिलना इस बात की गारंटी नहीं है कि जमीन पूरी तरह विवादमुक्त है। पुराने दस्तावेज, रिकॉर्ड में अपडेट की स्थिति और संपत्ति पर किसी अन्य प्रकार के दावे की अलग से जांच जरूरी है। बैनामा करने से पहले संबंधित उप निबंधक कार्यालय और जरूरत पड़ने पर अधिवक्ता से दस्तावेजों का सत्यापन कराएं।

गोरखपुर में बेखौफ हुए बाइक सवार बदमाश

महिला से गहने और नकदी भरा बैग झपटकर हुए फरार

संवाददाता गोरखपुर। मेडिकल कालेज से जंगल कौड़िया जा रही महिला का बैग बाइक सवार बदमाशों ने लूट लिया। घटना 22 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे जंगल कौड़िया जीरो प्वाइंट के पास हुई।

बैग में मोबाइल फोन, सोने की चेन, लाकेट, अंगूठी, करीब आठ हजार रुपये की घड़ी, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और मोटरसाइकिल के आरसी समेत अन्य सामान था। पीड़ित की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने दो अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

जिंदापुर गांव निवासी रविंद्र कुमार अपनी पत्नी के साथ 22 सितंबर की रात गोरखपुर मेडिकल कालेज से घर लौट रहे थे।

जंगल कौड़िया जीरो प्वाइंट के पास पीछे से दो बदमाश बाइक से पहुंचे। महिला के हाथ में पकड़े बैग पर झपट्टा मारा और उसे छीनकर फरार हो गए। दंपती जब तक कुछ समझ पाते, दोनों बदमाश तेज गति से बाइक लेकर निकल गए।

झपट्टा लगने के बाद महिला ने शोर मचाया, लेकिन बदमाश पकड़ में नहीं आए।

बैग में मोबाइल और गहनों के साथ एटीएम, पैन कार्ड और बाइक के जरूरी कागजात भी थे। घटना के बाद रविंद्र कुमार ने पीपीगंज थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस बदमाशों के आने और भागने वाले रास्ते की फुटेज भी देख रही है।

बड़हलगंज में किन्नरों के दो गुटों में छिड़ी वर्चस्व की जंग

कोतवाली बनी अखाड़ा, 400 किन्नरों का जमावड़ा



गोरखपुर,संवाददाता। यजमानों और बधाई वसूली के क्षेत्र को लेकर किन्नर समाज के दो गुटों में चल रहा विवाद बुधवार को बड़हलगंज कोतवाली में हंगामे में बदल गया। देवरिया और बड़हलगंज गुट के करीब 400 किन्नर दर्जनों बोलेरो और कारों के काफिले के साथ कोतवाली पहुंच गए और आमने–सामने आ गए। बड़हलगंज क्षेत्र में यजमानों और बधाई वसूली के वर्चस्व को लेकर किन्नर समाज के दो गुटों के बीच जारी विवाद बुधवार को बड़हलगंज कोतवाली परिसर में सार्वजनिक अखाड़े में तब्दील हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों से दर्जनों बोलेरो व कारों के काफिले से करीब 400 किन्नर कोतवाली में उतर पड़े।

परिसर में ही आमने–सामने आए दोनों गुटों ने ताली बजाकर अपनी गुप्त भाषा में एक–दूसरे को अपशब्द कहना शुरू कर दिया, जिससे भारी पुलिस बल के सामने ही हिंसक संघर्ष और मारपीट जैसी गंभीर स्थिति बन गई। सुबह 10 बजे से ही कोतवाली परिसर में किन्नरों का जुटना शुरू हो गया था। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया। दोनों पक्ष आर–पार के मूड में दिखे और कोतवाली परिसर में हंगामे के चलते हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता और संभावित बड़े बवाल को भांपते हुए कोतवाल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने तुरंत अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मोर्चा संभाला और कड़ा रुख अपनाते हुए पहले उग्र हो रहे किन्नरों को तितर–बितर कर माहौल संभाला।

चेंबर में चली हाई–वोल्टेज पंचायत, ऐसे हुआ बंटवारा

मामले को शांत कराने के बाद पुलिस ने दोनों गुटों के मुखियाओं को चेंबर में तलब किया। बड़हलगंज पक्ष से लल्लन व बिजली किन्नर तथा देवरिया पक्ष से सरोजा व कोमल किन्नर को आमने–सामने बैठाकर वार्ता शुरू की गई। बड़हलगंज के किन्नर लल्लन द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाल ने दोनों पक्षों की बात सुनी और बीच का रास्ता निकालते हुए सीमा तय की। समझौते के तहत देवरिया क्षेत्र के किन्नरों को बड़हलगंज की सीमा स्थित श्डेरवाश तक के यजमानों को डील करने का अधिकार दिया गया, जिसके बाद जाकर दोनों पक्ष शांत हुए। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, बधाई और यजमानी वसूली के इलाकों को लेकर दोनों गुटों में कई दिनों से खींचातान चल रही थी। पुलिस के इस त्वरित हस्तक्षेप और लिखित–मौखिक समझौते के बाद फिलहाल कई दिनों से जारी इस हाई–वोल्टेज ड्रामे पर विराम लग गया है।

यूपी में सीट बंटवारे पर फंसेगा पेच

कांग्रेस ने चिन्हित की ये 150 सीटें
सपा को ओवैसी–चंद्रशेखर की भी चिंता



नई दिल्ली,एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव में लेकर कांग्रेस ने सपा से कड़े मोलभाव की जमीन तैयार की है। कांग्रेस ने सपा से गठबंधन के लिए ब्राह्मण, दलित, मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चुनी हैं। कांग्रेस ने सौ सीटों से कम पर नहीं मानने की रणनीति बनाई है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर लंबा पेच फंसेगा।

दरअसल, कांग्रेस ने चुनाव लड़ने के लिए ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम प्रभाव वाली 150 सीटें चिन्हित की हैं। सपा पर दबाव बनाने के लिए पार्टी के अपने मुस्लिम चेहरों इमरान प्रतापगढ़ी और इमरान मसूद को सक्रिय किया है। पार्टी नेतृत्व का इरादा इस बार राज्य में कम से कम सौ सीटों पर लड़ने की है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते से सपा से सीट बंटवारे के लिए संभावित बातचीत से पहले पूरी तैयारी की गई है। प्रदेश की 403 सीटों को कांग्रेस ने तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। इनमें से 150 ऐसी सीटें चुनी हैं जो सपा के वोट बैंक को मिला दें तो पार्टी के अनुकूल हो जाती है। इनमें से ज्यादातर मुस्लिम, ब्राह्मण व दलित प्रभाव वाली सीटें हैं। सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक बातचीत में सपा से 150 सीटें मांगी जाएगी। हालांकि अंतिम लाइन सौ सीटों की है। इससे नीचे का प्रस्ताव पार्टी मंजूर नहीं करेगी।

सपा को कराएगी जरूरत का अहसास

पार्टी के वरिष्ठ नेता ने गठबंधन के संदर्भ में कहा कि सपा को कांग्रेस की ताकत का अंदाजा है। सपा जब 2019 के चुनाव में बसपा के साथ लड़ी थी तब उसे महज पांच सीटें मिली थी। जब हमारे साथ 2024 में लड़ी तो सपा को 37 सीटें मिली। कांग्रेस 2009 में 21 सीटें जीती थी। जब 2019 में अकेले लड़ी तब भी उसे एक सीट मिली। सपा को पता है कि सामाजिक न्याय की नई राजनीति के बाद राहुल गांधी और पार्टी का प्रभाव मुसलमानों, वंचित वर्गों में बढ़ा है। ब्राह्मणों में भी पुरानी साख लौटने के संकेत हैं। ऐसे में सपा इस चुनाव में कांग्रेस को प्रतीकात्मक साथी के रूप में नहीं ले सकती।

सपा को ओवैसी की भी चिंता

पार्टी सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा–कांग्रेस गठबंधन नहीं हुआ तो मुस्लिम–दलित वोटों में बिखराव की संभावना भी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि इस चुनाव में ओवैसी चंद्रशेखर आजाद समेत कुछ अन्य दलों के साथ गठबंधन करेंगे।


– झांसी

भारी बारिश से शहर में
मची तबाही

सड़क से लेकर घर और मंडियों में भरा पानी

तस्वीरों में देखें मंजर


देवरिया


– लखनऊ


आजमगढ़


– गोरखपुर

गोरखपुर में बारिश से बचने झोपड़ी में बैठे लोगों पर गिरा मौत का पेड़, तीन की दर्दनाक मौत

संवाद सूत्र, करमैनीघाट, गोरखपुर। बारिश से बचने के लिए झोपड़ी में बैठे लोगों को जरा भी अंदाजा नहीं था कि कुछ ही पल बाद यही झोपड़ी उनके लिए हादसे की जगह बन जाएगी। शनिवार शाम करीब चार बजे लक्ष्मीपुर द्वितीय ग्राम पंचायत के गजरहिया टोले में पुराना साखू का पेड़ अचानक राजेंद्र प्रजापति की झोपड़ी पर भरभराकर गिर पड़ा। राजेंद्र प्रजापति की झोपड़ी गांव से सटे सिवान में बनी है। शनिवार को लगातार बारिश हो रही थी। इसी दौरान सुभाष मजदूरी से लौटकर बारिश से बचने के लिए झोपड़ी में बैठे थे। ज्ञानमती देवी खेत की तरफ से लौट रही थीं और बारिश के कारण झोपड़ी के पास पहुंचीं। 13 वर्षीय किशन प्रजापति भी वहां मौजूद था। झोपड़ी में दबे लोगों की चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़ पड़े। मलबा हटाने के साथ ही अंदर दबे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। घायलों को निकालने के बाद जेसीबी की मदद से मलबा हटाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम कैंपियरगंज और सीओ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कैंपियरगंज के विधायक फतेह बहादुर सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और राहत कार्य की जानकारी ली। प्रशासन की ओर से क्षति का आकलन भी कराया जा रहा है। घटनास्थल मुख्य सड़क से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर अंदर है। वहां तक वाहन पहुंचने की सुविधा नहीं होने के कारण राहत और बचाव कार्य में ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रामीण चारपाई पर शवों को लेकर मुख्य सड़क तक पहुंचे। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हादसे में सुभाष और ज्ञानमती देवी की मौत की पुष्टि हुई थी। जांच के बाद 13 वर्षीय किशन प्रजापति की भी मृत्यु की पुष्टि हुई।

लखनऊ–गोरखपुर–देवरिया रेलमार्ग पर गिरे 50 पेड़, खड़ी हो गईं ट्रेनें

संवाददाता, गोरखपुर। तेज आंधी और मूसलधार बारिश ने ट्रेनों के पहियों को भी थाम दिया। शनिवार को सुबह से ही पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य मार्ग लखनऊ–गोंडा–गोरखपुर–देवरिया–भटनी तथा गोंडा–बहराइच रेलमार्ग पर पेड़ गिरने शुरू हुए। अभी रेलवे प्रशासन कुछ समझ पाता कि रेलमार्गों पर 50 पेड़ गिर गए। जो ट्रेनें जहां थीं वहीं खड़ी हो जा रही थीं। पेड़ों के गिरने से जगह–जगह ओवरहेड इक्यूपमेंट (ओएचई– रेल लाइन के ऊपर वाला बिजली का तार) क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई ट्रेनों और स्टेशनों की बिजली सप्लाई भी ठप हो गई है। ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। दिल्ली–गोरखपुर रूट की महत्वपूर्ण वैशाली और गोरखधाम के अलावा एलटीटी, बांद्रा और बाघ एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें लेट हो गईं।

यह ट्रेनों को रोक–रोक कर चलाया गया।

देर रात तक ट्रेनें पटरियों पर सरकती रहीं। ट्रेनें में बैठे यात्री समय से गंतव्य पर पहुंचने को लेकर परेशान थे। स्टेशनों पर ट्रेनों का इंतजार कर रहे यात्री बारिश में भीगते रहे। तेज हवाओं में जूझते रहे। सर्वाधिक परेशानी गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर हुई। स्टेशन के नवनिर्माण के चलते यात्रियों को न कहीं बैठने की जगह मिल रही थी और न खड़ा होने की।शाम को हुई तेज बारिश में यात्री भी सहम गए। रेलवे स्टेशन यार्ड और स्टेशन परिसर में जल भराव हो गया। स्टेशन और प्लेटफार्मों पर यात्रियों का आवागमन मुश्किल हो गया। बुजुर्ग, महिला, बच्चे और मरीजों को सर्वाधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

15566 नंबर की नई दिल्ली–ललितग्राम वैशाली एक्सप्रेस पांच घंटे की देरी से गोरखपुर पहुंची। 12556 बठिंडा–गोरखपुर गोरखधाम छह घंटे विलंब से चल रही थी। 13020 बाघ एक्सप्रेस अभी मुंडेरवा में सरक रही थी। 19037 बांद्रा एक्सप्रेस चार घंटे देर से गोरखपुर पहुंची। 20103 एलटीटी एक्सप्रेस शाम छह बजे तक अभी चुरेब में खड़ी थी। दोपहर बाद 02:20 बजे रवाना हुई 11048 गोरखपुर–दादर एक्सप्रेस शाम छह बजे तक कैंट स्टेशन पर खड़ी रही। 12166 गोरखपुर–एलटीटी भी कैंट में आगे सिग्नल मिलने का इंतजार कर रही थी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य रेलमार्ग गोरखपुर रूट पर चलने वाली लगभग सभी ट्रेनें विलंबित रहीं। मालगाड़ियां भी जगह–जगह खड़ी रहीं। एक तो आंधी और बारिश, ऊपर से स्वामी ढइत/झनारायण छपिया–मसकनवा–लखपतनगर–मनकापुर स्टेशनों के बीच चल रही नानइंटरलाकिंग ने ट्रेनों के विलंबन में कोढ़ में खाज का काम किया।

18.82 किमी के मध्य आटोमेटिक ब्लाक सिग्नल सिस्टम चालू करने के लिए नानइंटरलाकिंग का कार्य हो रहा है। इसके लिए 26 और 27 सितंबर को ट्रेनों का ब्लाक लिया गया है। नानइंटरलाकिंग के लिए रविवार को भी ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। दो दिन 26 ट्रेनें मार्ग बदलकर चलाई जाएंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि रेल लाइनों पर पेड़ों के गिरने और ओएचई क्षतिग्रस्त होने से ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। रेल लाइनों से पेड़ हटाए जा रहे हैं। धीरे–धीरे ट्रेनों का संचालन सामान्य हो रहा है।

वार रूम पहुंचे जीएम, तीनों डीआरएम को दिया दिशा–निर्देश

आंधी और बारिश में ट्रेनों का संचालन बाधित होते ही पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर मुख्यालय स्थित वार रूम (कंट्रोल रूम) पहुंच गए। इस दौरान वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये लखनऊ, वाराणसी और इज्जतनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) से स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ट्रेनों के संरक्षित व सुरक्षित संचालन पर जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया।

महाप्रबंधक के निर्देश पर ट्रेनों की निगरानी के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। सुपरवाइजर तैनात कर दिए गए हैं। ट्रेनों का संचालन सामान्य करने के लिए युद्धस्तर पर रेल लाइनों पर गिरे पेड़ हटाए जा रहे हैं। ओएचई को दुरुस्त कर ट्रेनों को बिजली सप्लाई दी जा रही है। स्टेशनों की मानिटरिंग की जा रही है।

मिस यूनिवर्स इंडिया–चौथा ताज लाने को तैयार हूं'

मस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत की अगुआई करेंगी लिज मेजो



एंटरटेनमेंट डेस्क। काजिया लिज मेजो ने इस साल का मिस यूनिवर्सि इंडिया का खिताब अपने नाम किया है। अब वह मिस यूनिवर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। इस बीच उन्होंने अपने सफर पर बात की है। केरल की काजिया लिज मेजो ने हाल ही में मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का खिताब जीता है। अब वह मिस यूनिवर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब भारत लाने की बात कही है। उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उन्हें सपोर्ट किया है।

लिज ने की मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने की बात

मिस इंडिया यूनिवर्स 2026 काजिया लिज मेजो ने कहा, मैं भारत, केरल, अपने ऑर्गनाइजेशन, अपने समर्थकों और अपने ट्रेनर्स की बहुत आभारी हूं। यह मेरे दिल के बहुत करीब है। हम मिस यूनिवर्स का चौथा ताज भारत वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मैं फिर से बहुत उत्साहित हूं। यह मेरे और केरल के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए भी बहुत खास है।

केरल के सीएम से मुलाकात पर क्या बोलीं लिज

हाल ही में लिज ने केरल के मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस पर उन्होंने कहा श्मैं उनसे कुछ महीने पहले मिली थी, जब मैंने श्मिस यूनिवर्स केरलश का खिताब जीता था और श्मिस यूनिवर्स इंडियाश में राज्य का प्रतिनिधित्व करने जा रही थी, इस उम्मीद के साथ कि पहला ताज वापस ला सकूंगी। तब भी जब मैं उनसे मिली थी, तो उन्होंने मुझे बहुत सपोर्ट किया और मुझ पर बहुत भरोसा जताया था। उन्होंने मुझे शुभकामनाएं भी दीं थीं। काजिया लिज मेजो ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 खिताब जीतने के अपने सफर के बारे में कहा, श्यह एक शानदार सफर रहा है। मैं पिछले तीन वर्षों से इसके लिए तैयारी कर रही हूं। मिस यूनिवर्स का खिताब ही वह चीज थी, जो मुझे हमेशा से चाहिए थी। अब मैं यहां पहली मलयाली के तौर पर खड़ी हूं, जिसने यह खिताब जीता है। अब मुझे न सिर्फ केरल, बल्कि 1.4 अरब लोगों, दुनिया के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। मैं एक बार फिर वादा करती हूं कि मिस यूनिवर्स का ताज हमारा ही होगा।



रश्मिका मंदाना ने जतायी नाराजगी

मुम्बई,एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते प्रयोग से बॉलीवुड भी काफी चिंतित है। वजह है एआई का गलत इस्तेमाल करके सेलेब्स के फेक और अश्लील फोटोज व वीडियोज बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने नाराजगी जताई है। रश्मिका ने अपने एक्स अकाउंट पर एआई–जनरेटेड कंटेंट के संचालन में जवाबदेही और जिम्मेदारी की अपील की है। अपनी पोस्ट में रश्मिका ने जागरूकता और नैतिक उपयोग की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने इसे एक नैतिक पतन बताया, जिसका सामना करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट एक ऐसी जगह बन गया है जहां मनगढ़ंत सीन को आसानी से असली बताकर पेश किया जा सकता है। एआई के जरिए महिलाओं की अश्लील तस्वीरें बनाने और उनका दुरुपयोग करने पर रश्मिका ने नाराजगी जताई। एक्ट्रेस ने कहा कि जब सच्चाई गढ़ी जा सकती है, तो हमारा विवेक हमारी सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। एआई प्रगति की ओर एक कदम है, लेकिन अश्लीलता फैलाने और महिलाओं को निशाना बनाने के लिए इसका दुरुपयोग कुछ लोगों में गहरे नैतिक पतन का संकेत देता है। याद रखें, इंटरनेट अब सच्चाई का आईना नहीं रहा। यह एक ऐसा कैनवास है जहां कुछ भी गढ़ा जा सकता है। आइए हम दुरुपयोग से ऊपर उठें और एक अधिक सम्मानजनक और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए एआई का उपयोग करें। लापरवाही के बजाय जिम्मेदारी चुनें। अगर लोग इंसानों की तरह व्यवहार नहीं कर सकते, तो उन्हें कड़ी और कठोर सजा मिलनी ही चाहिए। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका मंदाना आखिरी बार 'द गर्लफ्रेंड्य में नजर आई थीं। इन दिनों वो होमी अजानिया द्वारा निर्देशित फिल्म 'कॉकटेल 2य की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।



मुझे फिल्मों में शोपीस की तरह इस्तेमाल किया गया-शहनाज गिल



शहनाज गिल ने बॉलीवुड और पंजाबी सिनेमा पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया है कि जब उन्हें बॉलीवुड में काम नहीं मिला तो उन्होंने क्या किया? एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल बिग बॉस 19 में आने के बाद काफी मशहूर हुईं। पूरे देश मे मशहूर होने के बाद शहनाज गिल फिल्म किसी का भाई किसी की जान और थैंक यू फॉर कमिंग में नजर आईं। हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में उन्होंने पंजाबी फिल्म इक कुड़ी की निर्माता बनने का सोचा। अब उन्होंने हिंदी और पंजाबी सिनेमा के बारे में कई बातें कही हैं।शहनाज गिल हाल ही में बिग बॉस 19 में नजर आईं। उन्होंने सलमान खान से कहा मेरे ऊपर कोई पैसा नहीं लगा रहा, तो मैंने खुद पर लगा दिया। अब उन्होंने फरीदून शहरयार से बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट में पैसा क्यों लगाया है?बातचीत में शहनाज गिल ने कहा मुझे अच्छी स्टोरीज नहीं मिल रही हैं। मुझे फिल्मों में शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया। मुझे एक ही तरह की कहानियां मिल रही थीं, जिनमें कुछ भी नया नहीं था और कोई अच्छा संदेश भी नहीं था। ऐसे में मैंने सोचा कि खुद पर पैसा लगाना सही रहेगा।

जान्हवीने सोशल मीडियापर उठाये सवाल

मुम्बई,एजेंसी। जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने इस दौरान धर्मेंद्र और अपनी मां श्रीदेवी के निधन के दर्द को भी याद किया। अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सेलेब्स की मौतों को सनसनीखेज बनाने के लिए सोशल मीडिया और मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। अपनी मां श्रीदेवी और हाल ही में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन का जिक्र करते हुए, जान्हवी ने गलत खबर चलाने वालों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने सेलेब्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की, जब उनकी जिंदगियां सार्वजनिक हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान मीडिया का माहौल अक्सर हानिकारक सुर्खियों और कहानियों को बढ़ावा देता है। वी द वीमेन 2025 कार्यक्रम में बोलते हुए जान्हवी ने ये भी कहा कि कहीं न कहीं इस समस्या के लिए सेलेब्रिटीज भी जिम्मेदार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि हमने देखा कि धरमजी के साथ क्या हुआ और ऐसा पहले भी कई बार हुआ है। मुझे यकीन है कि यह और भी बदतर होगा। मुझे लगता है कि हम इस समस्या का हिस्सा हैं। हर बार जब हम वीडियो, हेडलाइन या कहानियां–व्यूज़,कमेंट्स,लाइक्स दृ देते हैं, तो हम इस संस्कृति को बढ़ावा दे रहे होते हैं। जान्हवी ने कहा कि मीडिया में जिस तरह से मेरी मां के निधन को दिखाया गया, उससे मेरा दुरूख और भी गहरा हो गया। जब मैंने अपनी मां को खोया, तो यह बहुत बुरा था। मुझे नहीं पता कि आप सब सोच भी सकते हैं कि अपने किसी इतने करीबी को खोना और उसे मीम बनते देखना कैसा होता है। मुझे यह भी नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन यह और भी बुरा हो गया है। मैं मां के निधन के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से बचती हूं, इस डर से कि लोग सोचेंगे कि वह सुर्खियां बटोरने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं। उस दौरान मैं जिस एहसास और दौर से गुजरी, उसे मैं कभी शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगी। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि ऐसा लगे कि मैं अपनी जिंदगी के इतने दर्दनाक हिस्से को सुर्खियां बनाने के लिए इस्तेमाल कर रही हूं। सोशल मीडिया पर निशाना साधते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया ने मानव नैतिकता को पूरी तरह से पटरी से उतारने में अकेले योगदान दिया है। मौजूदा वक्त में मानव नैतिकता चरमरा गई है और यह निराशाजनक है। पहले हमारे पास एक चेतना थी जो हमें कुछ चीजें देखने या कहने से रोकती थी, लेकिन अब वह बात नहीं रही। यह आज का संकट है कि हमने अपनी नैतिकता खो दी है। कोई मर जाता है, कोई भयानक हमला होता है और आप उन चीजों को देखना चाहते हैं जो आपको नहीं देखनी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए इसे बहुत बढ़ावा दिया गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी आखिरी बार 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीय में नजर आई थीं। अब वो साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ तेलुगु फिल्म 'पेद्दीय में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है।







सिल्वर बॉय गुलवीर सिंह
10,000 मीटर में मारी बाजी



ऐश्वर्य-रुद्रांक्ष-नीरज की तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस में जीता सिल्वर

क्या 2019 और 2023 का दर्द मिटा पाएंगे कोहली

बताया– दोनों हार ने छीना था चैन, अब अधूरा सपना पूरा करने पर नजर

स्पोर्ट्स डेस्क। विराट कोहली ने 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार को बेहद दर्दनाक बताया और कहा कि वह इसके बाद महीनों तक मानसिक रूप से परेशान रहे। 2023 फाइनल की हार भी उनके लिए मुश्किल रही। अब 2027 विश्व कप को अपना आखिरी टूर्नामेंट बता चुके कोहली ने इसे अपनी प्रेरणा बताया है। विराट कोहली के लिए विश्व कप की यादें सिर्फ रिकॉर्ड और शानदार पारियों तक सीमित नहीं हैं। 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल की हार ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया था, जबकि 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार का दर्द भी उनके मन में अब तक ताजा है। अब 2027 विश्व कप को अपना आखिरी विश्व कप बता चुके कोहली ने उन दोनों हारों और अपनी अधूरी ख्वाहिश पर खुलकर बात की है।

2019 की हार ने महीनों तक तोड़ दिया था

2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से हुआ था। बारिश के कारण यह मुकाबला दो दिन चला। न्यूजीलैंड ने 239/8 का स्कोर बनाया और जवाब में भारतीय टीम 221 रन पर ऑलआउट हो गई। एमएस धोनी का रन आउट इस मुकाबले की सबसे यादगार घटनाओं में से एक रहा। कोहली के लिए यह हार 2015 के सेमीफाइनल से भी ज्यादा मुश्किल थी। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण मैच रुकना, अगले दिन नई गेंद से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों का सामना करना और परिस्थितियों का भारतीय टीम के खिलाफ जाना बेहद कठिन था। उन्होंने कहा, 2019 हमारे लिए एक बड़ा झटका था। 240 का लक्ष्य था और बारिश हो गई। अगर हम उसी दिन खेलते तो चीजें अलग हो सकती थीं। लेकिन अगली सुबह नई गेंद के साथ उनका आक्रमण था। उन्होंने परिस्थितियों का सबसे अच्छा फायदा उठाया और हमें दबाव में डाल दिया। उसे स्वीकार करना और उस पर विश्वास करना बहुत मुश्किल था। मैं बुरी तरह टूट गया था। उसके बाद कुछ महीनों तक मानसिक रूप से पूरी तरह परेशान रहा।

2023 का फाइनल भी नहीं भुला पाए

2023 विश्व कप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया था। कोहली के मुताबिक, उस टूर्नामेंट में टीम का माहौल बेहद सकारात्मक था। हार्दिक पांड्या के चोटिल होकर बाहर होने के बावजूद टीम ने अपनी लय नहीं खोई और मोहम्मद शमी के आने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिली। कोहली ने कहा, पूरा विश्व कप शानदार था। टीम का माहौल बेहतरीन था। आप देख सकते थे कि सभी एक–दूसरे के लिए खेल रहे थे। हर किसी को लग रहा था कि यह हमारा विश्व कप है। हालांकि, अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में मिली हार उनके लिए बेहद कठिन थी। कोहली ने बताया कि वह उस मुकाबले में 54 रन पर खेल रहे थे और बड़ी पारी की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने कहा, श्मैं 54 रन पर था और मैंने खुद को बड़े शतक के लिए तैयार कर लिया था। मुझे लग रहा था कि अगर मैं 140–150 रन बना देता हूं तो हम जीतने की शानदार स्थिति में होंगे। लेकिन जैसे ही मैंने गेंद को अपने विकेट पर खेल दिया, उस पल को स्वीकार करना कई दिनों तक बहुत मुश्किल रहा। आप उसके बारे में सोचते रहते हैं।



विराट कोहली अब तक 4 वनडे वर्ल्ड कप (2011, 2015, 2019 और 2023) खेल चुके हैं। उनके नाम वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 54 शतक भी हैं। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा।

विश्व कप का अधूरा काम अब भी बाकी

कोहली ने साफ किया कि वह यह नहीं मानते कि विश्व कप को लेकर उनका काम पूरा हो चुका है। उनके लिए हर नया टूर्नामेंट एक नई चुनौती लेकर आता है। उन्होंने कहा, श्मेरे मन में कभी यह विचार नहीं आएगा कि मेरा काम पूरा हो गया है। जब तक आप खेल रहे हैं, तब तक आगे देखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। मैं विश्व कप का इंतजार कर रहा हूं और यह देखना चाहता हूं कि मेरे लिए आगे क्या है। उन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट की चुनौती के बारे में कहा, श्जब विश्व कप या कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेला जाता है तो उसकी चुनौती अलग होती है। आपको अलग–अलग विरोधियों और अलग–अलग मैदानों पर खेलना होता है। इसलिए आपको अलग तरीके से तैयारी करनी होती है और अलग तरह से सोचना पड़ता है। यही चुनौती है।

2027 होगा आखिरी विश्व कप

कोहली ने पुष्टि की है कि 2027 का आईसीसी विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा। यही वजह है कि अब उनकी नजर उस टूर्नामेंट पर है, जहां वह अपने लंबे विश्व कप सफर को खिताब के साथ खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह भारत के लिए खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप है। और यही मेरी प्रेरणा है।श 2011 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे कोहली 2019 में सेमीफाइनल और 2023 में फाइनल की हार देख चुके हैं। अब 2027 उनके पास विश्व कप से जुड़ी अपनी आखिरी चुनौती के रूप में होगा।



दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।





स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को चीन के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। लेकिन टीम कांस्य पदक अपने नाम करने में सफल रही। 40 साल बाद ऐसा हुआ है जब पुरुष बैडमिंटन टीम ने एशियन गेम्स के लगातार दो संस्करण में पदक जीते हैं। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को सेमीफाइनल में चीन के हाथों 1–3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पुरुष टीम कांस्य पदक अपने नाम करने में सफल रही। एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनाना को युगल मैच में चीन के जी तिंग ही और यी लुई के हाथों 16–21, 21–17, 9–21 से हार मिली। इसके साथ ही भारत ने सेमीफाइनल मुकाबला गंवाया। पूरे मैच में चीन का दबदबा देखने मिला और इस तरह भारत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने हांग्झू 2023 एशियन गेम्स में रजत पदक जीता था। तब उसे चीन के हाथों फाइनल में हार मिली थी। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने 40 साल में पहली बार एशियन गेम्स के लगातार दो संस्करणों में पदक अपने नाम किए हैं।